

**अंतर्वर्ती वि.** (तत्.) 1. जो किसी के अंदर स्थित हो 2. मध्यवर्ती।

**अंतर्वर्ती आवेदन पुं.** (तत्.) किसी वाद के विचाराधीन होते ही किसी अन्य तथ्य का उल्लेख करने, कोई निषेधाज्ञा जारी कराने अथवा तात्कालिक आवश्यकता पर बल देने के लिए प्रस्तुत प्रार्थनापत्र। interlocutory

**अंतर्वर्ती सस्यन पुं.** (तत्.) दो मुख्य फसलों के बीच अल्पावधि में प्राप्य अन्य फसल को उगाने की प्रक्रिया।

**अंतर्वन्कल पुं.** (तत्.) वृक्ष की छाल की अंदर वाली परत।

**अंतर्वस्तु स्त्री.** (तत्.) विषय वस्तु, वर्ण्य विषय, अंतर्विषय, प्रतिपाद्य विषय।

**अंतर्वस्त्र पुं.** (तत्.) अन्य वस्त्रों के नीचे धारण किया जाने वाला वस्त्र जैसे- बनियान, जाँघिया आदि।

**अंतर्वाणिज्य पुं.** (तत्.) किसी देश या राष्ट्र के भीतर होने वाला वाणिज्य या व्यापार।

**अंतर्वास पुं.** (तत्.) राज-भवन (महल) आदि में महिलाओं के रहने का स्थान, अंतःपुर।

**अंतर्बाह शरीर पुं.** (तत्.) योग. कारण या लिंग शरीर जिसमें अव्यक्त प्रकृति, सूक्ष्म प्राण और चित्त के साथ आत्मा रहती है, इसका स्थान हृदय है, इस शरीर से योगीजन परकाया प्रवेश करते हैं।

**अंतर्विकार पुं.** (तत्.) 1. आंतरिक विकृति जो बाहर से देखी न जा सके, विकृति, चरित्र का दोष 2. शरीर के अंदर स्वाभाविक रूप से विद्यमान कुछ विशेष धर्म जैसे- बुभुक्षा, पिपासा, निद्रा आदि।

**अंतर्विनियमन पुं.** (तत्.) किन्हीं दो या दो से अधिक वस्तुओं के क्रम अथवा स्थान का परस्पर बदलना अथवा उनकी अदला-बदली करना interchange

**अंतर्विभागीय वि.** (तत्.) प्रशा. विभिन्न विभागों के बीच में होने वाला, विभिन्न विभागों से संबद्ध। interdepartmental

**अंतर्विरोध पुं.** (तत्.) भीतरी विरोध, आपसी वैमनस्य, असंगति, परस्पर-विरोधी बातें।

**अंतर्विवाह पुं.** (तत्.) अपने ही समूह में विवाह, सजातीय या सगोत्र विवाह। endogamy

**अंतर्विवेक पुं.** (तत्.) सच-झूठ, करणीय-अकरणीय, अच्छा-बुरा, या शुभ-अशुभ आदि में भेद करवाने वाली एक सहज एवं स्वाभाविक बौद्धिक क्षमता।

**अंतर्विश्वविद्यालयी वि.** (तत्.) एक ही विश्वविद्यालय के भीतरी विभागों से संबंधित जैसे- अंतर्विश्वविद्यालयी प्रतियोगिताएँ।

**अंतर्विषयक वि.** (तत्.) विभिन्न विषयों में पारस्परिक संबंध वाला, अलग-अलग विषयों के परस्पर समता और विषमता से संबंधित।

**अंतर्विष्ट पृष्ठ पुं.** (तत्.) पुस्तक के प्रथम पृष्ठ पर चिपका हुआ शुद्धि पत्र या कोई अन्य सूचना देने के लिए बीच में डाला गया पृष्ठ।

**अंतर्वृत्त पुं.** (तत्.) वह वृत्त जो त्रिभुज की सभी भुजाओं को स्पर्श करता है और पूर्णतः त्रिभुज के भीतर स्थित होता है। inscribed circle

**अंतर्वृत्ति स्त्री.** (तत्.) आंतरिक वृत्तियाँ, मनोवृत्ति।

**अंतर्वेग पुं.** (तत्.) 1. आंतरिक उत्तेजना 2. आंतरिक गति 3. अंदर से स्फुरित प्रबल प्रवृत्ति 4. (जल आदि का) आंतरिक प्रवाह 5. आंतरिक शक्ति, बल 6. शरीर के अंदर सहज भाव से स्थित मल-मूत्र आदि के निकलने की प्रवृत्ति।

**अंतर्वेद पुं.** (तत्.) 1. दो नदियों के मध्य का विस्तृत स्थलीय भाग, दोआबा 2. प्राचीन ब्रह्मावर्त क्षेत्र जो गंगा-यमुना के बीच में हरिद्वार से प्रयाग तक फैला था।

**अंतर्वेदना स्त्री.** (तत्.) आंतरिक व्यथा, मन की पीड़ा, मनोव्यथा।